Seventeenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding problems faced by farmers pertaining to paddy procurement in Telangana.

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्माम) : धन्यवाद सभापति महोदय । जब से सैशन शुरू हुआ है, तब से पिछले पांच दिनों से हम तेलंगाना के किसानों की स्थिति, तेलंगाना की पैडी प्रोक्योरमेंट की स्थिति को सभा की दृष्टि में ला रहे हैं । 28 तारीख को लीडर्स मीटिंग में भी हमने कहा था कि तेलंगाना में पैडी प्रोक्योरमेंट नहीं हो रहा है, इसलिए इस विषय पर बात कहने के लिए हमने रिक्वेस्ट की थी । यही बात हमने बीएसी मीटिंग में भी कही थी । तेलंगाना बनने के बाद हम लोग किसानों को 24 घंटे फ्री बिजली दे रहे हैं । इसी तरह रयथू बंधु स्कीम में 10 हजार रुपये देने का काम किया है । कालेश्वरम प्रोजेक्ट की वजह से तेलंगाना में पानी की समस्या बहुत हद तक कम हुई है और पिछले सात सालों में किसानों की काफी उन्नति हुई है । पानी की वजह से आज हम पैडी उत्पादन में नम्बर एक राज्य बन गए हैं । हमारे यहां पंजाब से ज्यादा पैडी हो रही है, लेकिन पैडी प्रोक्योरमेंट में हमें बहुत दिक्कत हो रही है । हम वर्ष में दो क्रॉप करते हैं और पैडी प्रोक्योरमेंट के लिए हमने सरकार से कहा है । कभी कहते हैं कि दोनों क्रॉप्स को लेंगे, कभी कहते हैं कि सिर्फ एक क्रॉप को लेंगे । इसी तरह रेलवे वैगन्स को भी नहीं देते हैं । एफसीआई को पूरा कोटा नहीं देते हैं । आज पूरे तेलंगाना के किसान रोड पर हैं । इस बारे में हमारी छह मीटिंग्स हुई थीं । इन मीटिंग्स में हमारे चीफ मिनिस्टर साहब भी आए थे, मंत्री भी आए थे और एमपीज भी आए थे । इन मीटिंग्स में हमारे चीफ सैक्रेटरी भी आए थे । हमने सरकार से डिमांड की थी कि आप प्रति वर्ष कितनी पैडी का प्रोक्योरमेंट करेंगे, इसका आप हमें एक कोटा दे दीजिए । पहले तेलंगाना क्षेत्र बहुत पिछड़ा हुआ था और यहां के लोग विदेशों में जाकर लेबर का काम करते थे । तेलंगाना राज्य बनने के बाद हमारा राज्य बहुत डेवलप हो गया है और पानी आने के बाद किसानों की भी बहुत उन्नति हुई है । पहले कहा कि बोआएल्ड राइस नहीं लेंगे । अभी कह रहे हैं

कि सैकेंड क्रॉप नहीं लेंगे । साउथ इंडिया में गर्मी की वजह से हमें ब्रोकन राइस मिलते हैं, इसलिए उन्हें बोआएल्ड करके खाना पड़ता है । हम अपने किसानों की सारी तकलीफों का समाधान निकालना चाहते हैं । हम केंद्र सरकार से यही डिमांड कर रहे हैं कि आपका साल में फसल खरीदने का कितना कोटा है । उसी के अनुसार हम अपने किसानों को बताएंगे । हम पांच दिन से वैल में सुबह से शाम तक रहे हैं, लेकिन सरकार ने हमें स्टेटमेंट नहीं दिया है ।

महोदय, हम आपके माध्यम से सरकार से स्टेटमेंट की डिमांड कर रहे हैं । यदि देश में किसान सही रहेंगे, तभी देश का विकास हो सकता है । कोरोना के समय में इन्होंने हमें खाना दिया । इन्हीं किसानों की वजह से हम बच पाए हैं ।

13.00 hrs

यह इश्यू किसानों के बारे में है । यह इश्यू केवल तेलंगाना का ही नहीं है, बल्कि अन्य राज्यों के किसानों का भी है । यह इश्यू पूरे देश के किसानों से संबंधित है । सरकार नेशनल प्रोक्योरमेंट की पॉलिसी लेकर आए और उसी तरह से एमएसपी को लीगल राइट के रूप में लेकर आए, यही हम लोगों की मांग है । धन्यवाद ।